

कोइरी साकिन सांग सुदना
 डाक घर सुदना नाग
 डाक लगेज फाका की जिला
 पन्ना में पैरा येबी भासिम

२) माध साकिन सांग सुदना
 पता = = = =

१) श्री ब्रजेश कुमार मदन

२) श्री जगनापण कमा

३) श्री अलख निरजंन कमा

पिता का श्री राजवंशी मदन

पता = = = =

४) श्री मनि लीना देवी पति का नाम
 श्री गोपाल मदन कापण जाति

कोइरी साकिन सांग लोइडा
 डाक घर गाई नाग पाठन
 फाका की जिला पन्ना

सा. सुरजी देवी का. सुरजी देवी

ता. ६-३-२००२

सं. ६-३-२००२

सो. ६-३-२००२

सो. ६-३-२००२

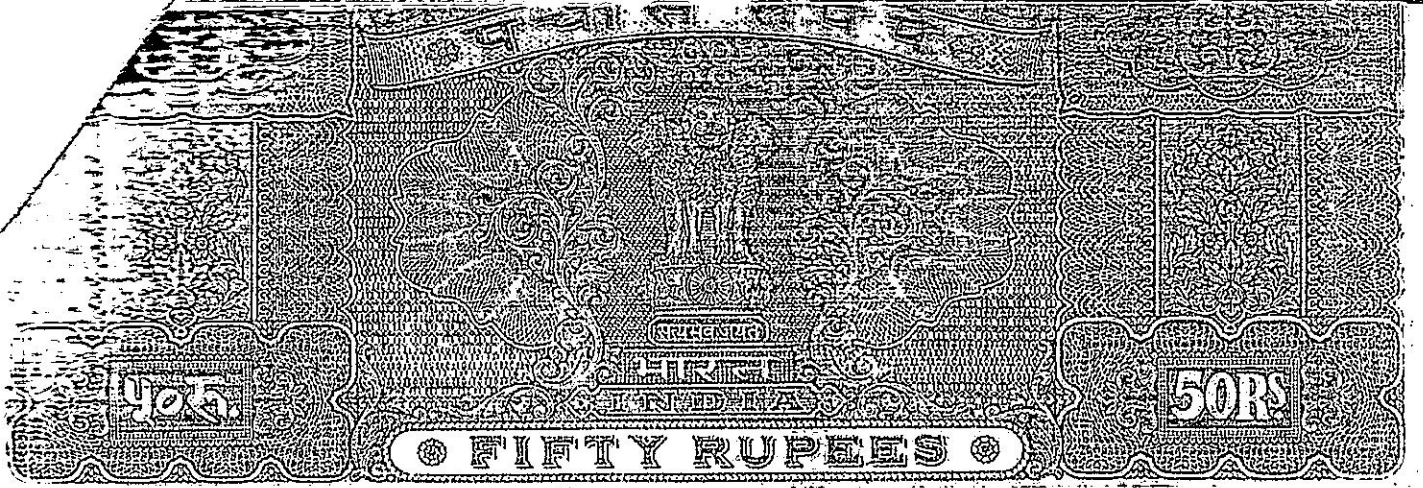


सा. ६-३-२००२

सो. ६-३-०२

सो. ६-३-०२

सो. ६-३-०२



3) किरीम वलीका = कुवाला
 वमणा, कान्नादी
 (विक्रम पत्र)

4) रामदाद जलमग मीठ =
 920, 000 / एक लाख बीस
 हजार रुपये मात्र =

वजात खलम मीठ 920, 000
 एक लाख बीस हजार रुपये
 मात्र = = =

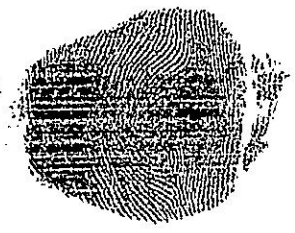
ल. 25/25) देवी व 10 (12) मरवा
 नो- 88-3-2009
 म. 10/10/2009

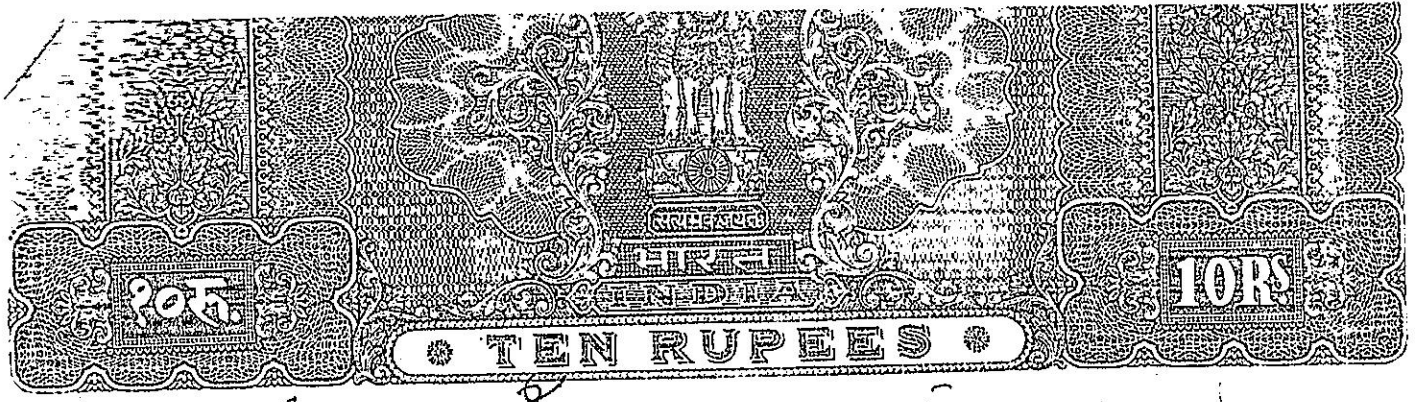
2008-E-3
 12/12/2008
 6.3.08

5) रामदाद लंपट्टी = एरागी 0.6500
 अथ डी लंपट्टी जमीन यां एक
 फलसी जलमगिन बावें मीठ

सुदना भागा डाल लंगंग जिगा
 पन्नाय इलाके राव लजिबदी
 ऑफिस मुक्काम डाल लंगंग
 जिगा पन्नाय इलाके बावें
 खरीदगी पाट होलाडींग विक्री
 काहे व

10/10/2009
 2008-E-3
 12/12/2008





लोगों का ध्यान के लिए हमका
 २१-१११-१-आपकी

बाला उमरीर खवा २१
 २६-१३२०-०.६६
 २७
 धपक वडा लेखक
 लखनवत बीस काहे ही

भौंडी

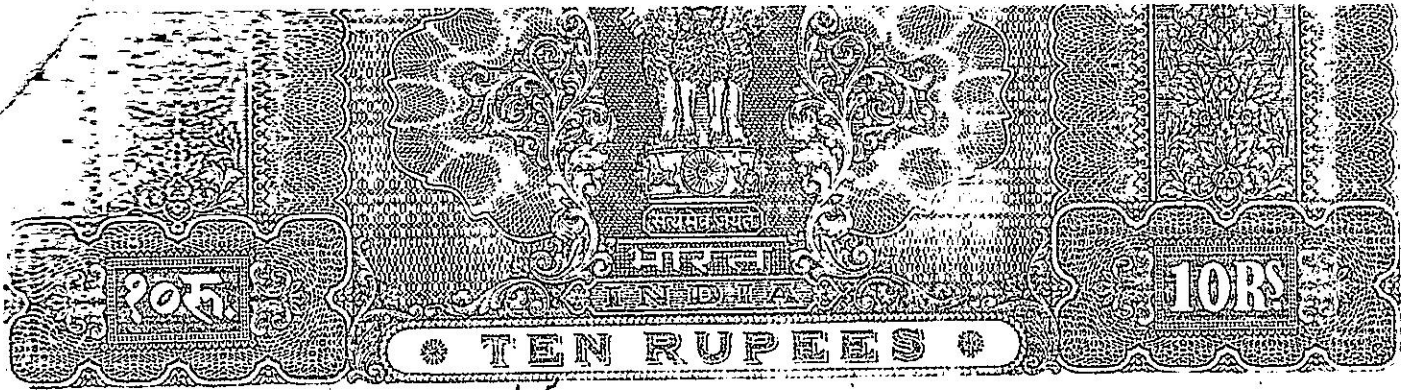
- उत्तर = पञ्चपति पाठ
- दक्षिण = बिकेता के लफ्त से अपनी
 उमरीर के १० कीट भौंडी
 रात्रा
- पुत्र = सुगीव महले की महिम
 महले
- परिग्रह = बिकेता विग्रह

माला उमरीर लखनवत से २०
 पञ्चपति देला अलावे सेव
 गान्धारी गीतक की पुत्र पत्र दीर्घ

२१०६२०१०२
 ला. ६३-२००२
 सं. लखनवत कुशाक संख्या ६३-०२२

२२० १३२० वतन प्रथम सं. ६३-२००२
 सं. २१०६२०१०२-३-२००२





आगे उपरोक्त संपत्ति कुर्बान
 एना संख्या चोप कलिका एना
 मोफि के पनाका लपु मरु
 के नाथ से सवे एलिमाग से कर्षि
 मरु कि लपु मरु के निधु के
 काद उरकी पली स्व ० दुमरी
 महलवारु के अपने गरी नाम
 मरु के निधु मरु पिला कर्षि
 मरु के नाथ से ककरीगगा
 लिए गिलाका केवाका १०५०
 कुक १ मरु १६ पेग १५३ ११५२
 मरु २.५.५० के अनुसार मोफि
 का मरु ०० गिलाका मोफिका
 डिमांड से मोफि के मरु एना
 नाम मरु के नाथ से डिमांड
 मरु रखा है मरु कि नाम मरु
 के लिए दो लडकी नाम मरु देवी
 पति नाम मरु नाम मरु स्व लपु

१५५० कावेला कुशीर ६.३.०२
 १५५० कावेला कुशीर ६.३.०२
 १५५० कावेला कुशीर ६.३.०२

१५५० कावेला कुशीर ६.३.०२

१५५० कावेला कुशीर ६.३.०२

१५५० कावेला कुशीर ६.३.०२



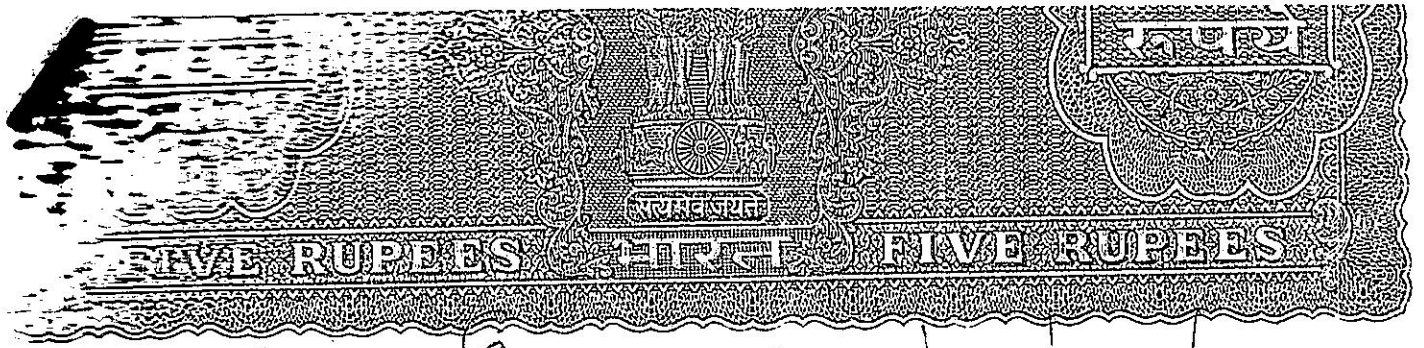


यह कि स्व० रामजी देवा के
 भाए लक्ष्मी अशोक कुमारे
 मेला, की कृपासे, प्रारंभ मेला
 ही लक्ष्मी कुमारे मेला एवं अशोक
 कुमारे मेला में मौजूद हैं।
 यह कि विक्रय रकम का है
 कि कौन के आने जाने के लिए
 ०.६५ के अलावा इति का है
 जमा १०९३२१, एवं १३११ के
 कमा देना लक्ष्मी एवं अशोक
 कुमारे को देना है। विक्रय रकम
 को देना है। यदि जरूरत पड़े
 कि तो उक्त देनी जारी नहीं
 करेगा। न दावा करेगा। गिरा
 या मोफत का देना करेगा।
 बावजूद कि माला प्रारंभ एवं अशोक
 कुमारे का क्रम १२०.००० रु
 लाव नीचे दगा लक्ष्मी कुमारे
 लक्ष्मी कुमारे वाले जमा

त. ६-३-२००२
 सा० कावराज कुमारे देवा ६-३-०२

सा० कृष्णा कान्त कुमारे देवा ६-३-२००२

सा० रामजी अशोक कुमारे देवा ६-३-२००२



जमीन लगभग 5 कन्च होगा
 मोक्ति के उभरे गांव है
 होकर और मोतिपुर एवं दुय्या
 की इलाका मोक्ति व दुय्या
 की लानीम अपने देना कदाकत
 की फलामाने की जाने लकी
 गाफा की उकमाग को. अमी
 वरद है लेस लमक दुमक
 लाल मोक्ति समोरे के गाको
 केसाता, वपला, नालाम किमा
 को लजमा गलामक का लरीका
 है नंबर 90६, 000) एक लाख
 छव हजार लजमा रजिस्ट्री के
 पहले एक जुदरेवलुम ना
 मुके है वकी नंबर 98,000)
 मोदद हगा लजमा रजिस्ट्री
 के बाद 2 काजु बदलेन काल
 पावेगे / माहिर की लरीका

ज. ल. ली. को. वी. पी. य. २२०)

नं. ६-३-२-२०००

मंस भगवन्त कुमार सेहरा 6-3-52

सो कलमो नाम लरीका पेडा 7.3.2000

से. रामनरैण्यार ३ नमर ६-६-२०००



2002-3 15/10/2002

15/10/2002

20.8.9

1234 5678 9101112
1314151617181920
21222324252627282930

15/10/2002

5

उत्तम शिवाजी राजा
शिवाजी महाराज
दुर्गे का 5 व 6 नकाशा

कवि अरुण लाल मेहता
वर्ष 1980 का नकाशा
पत्ता - वही का पत्र का
दोनों पक्षों का अन्तर्गत

रा 1-3-2002

